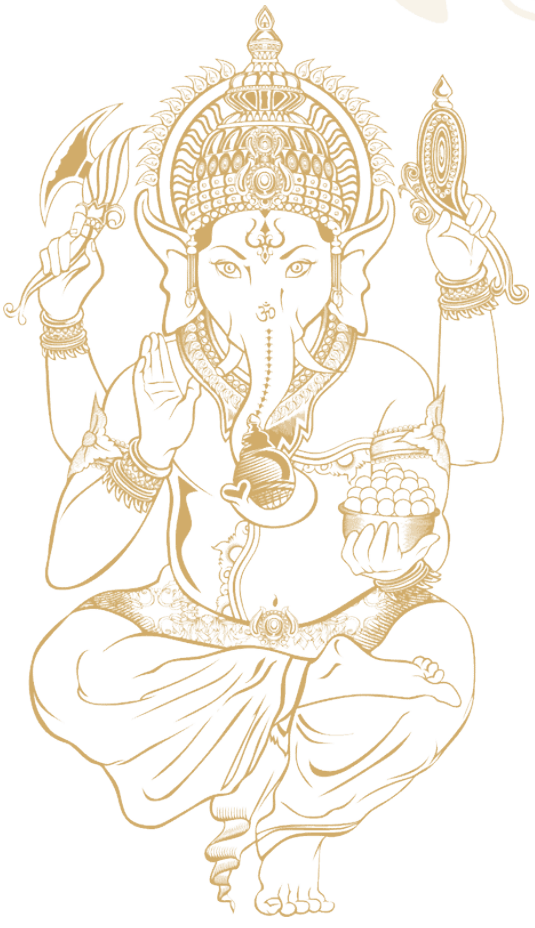

Mr.Amriitesh Anil Kumar Pandey

Ms.Ashtha Mishra

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119989709

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
20-21/04/1996	जन्म तिथि	9-10/09/1998
शनि-रविवार	दिन	बुध-गुरुवार
घंटे 01:55:00	जन्म समय	03:00:00 घंटे
घटी 51:07:07	जन्म समय(घटी)	53:21:47 घटी
India	देश	India
Gorakhpur	स्थान	Kasia
26:45:00 उत्तर	अक्षांश	26:45:00 उत्तर
83:23:00 पूर्व	रेखांश	83:55:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:03:32	स्थानिक संस्कार	00:05:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:28:09	सूर्योदय	05:37:09
18:23:02	सूर्यास्त	18:05:55
23:48:23	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:11

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
चन्द्र 8वर्ष 8मा 25दि	24:40:21	मक	लग्न	कर्क	17:51:47	केतु 1वर्ष 5मा 3दि
राहु	07:13:15	मेष	सूर्य	सिंह	23:09:19	सूर्य
15/01/2012	11:41:04	वृष	चंद्र	मेष	10:36:54	13/02/2020
15/01/2030	27:10:39	मीन	मंगल	कर्क	18:58:59	12/02/2026
राहु 28/09/2014	27:01:46	मेष	बुध	सिंह	09:15:34	सूर्य 01/06/2020
गुरु 20/02/2017	23:33:10	धनु	गुरु व	मीन	00:02:41	चन्द्र 01/12/2020
शनि 28/12/2019	21:17:02	वृष	शुक्र	सिंह	09:58:51	मंगल 08/04/2021
बुध 17/07/2022	07:46:27	मीन	शनि व	मेष	09:15:02	राहु 03/03/2022
केतु 04/08/2023	23:17:34	कन्या व	राहु व	सिंह	07:34:40	गुरु 20/12/2022
शुक्र 04/08/2026	23:17:34	मीन व	केतु व	कुंभ	07:34:40	शनि 02/12/2023
सूर्य 29/06/2027	10:38:38	मक	हर्ष व	मक	15:34:13	बुध 07/10/2024
चन्द्र 27/12/2028	03:55:35	मक	नेप व	मक	05:48:49	केतु 12/02/2025
मंगल 15/01/2030	08:45:08	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	11:37:41	शुक्र 12/02/2026

लग्न-चलित

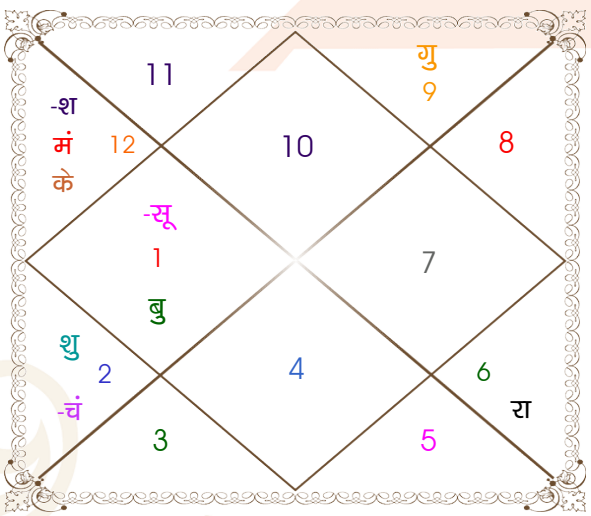

लग्न-चलित

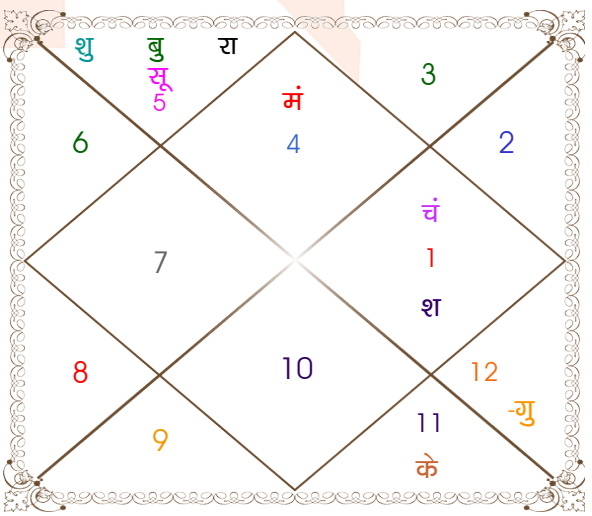

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	चतुष्पाद	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	सर्प	अश्व	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	मंगल	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृष	मेष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	21.50		

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

डतण ।उतपपजमेी ।दपस ज्ञनउंत च्ंदकमल का वर्ग गरूड़ है तथा डेण्ेाीजीं डपेीतं का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गो में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण ।उतपपजमेी ।दपस ज्ञनउंत च्ंदकमल और डेण्ेाीजीं डपेीतं का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण ।उतपपजमेी ।दपस ज्ञनउंत च्ंदकमल मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

डेण्ेाीजीं डपेीतं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल डेण्ेाीजीं डपेीतं कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि डतण ।उतपपजमेी ।दपस ज्ञनउंत च्ंदकमल कि कुण्डली में तृतीय भाव में

स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतण ।उतपपजमेी ।दपस ज्ञनउंत च्ंदकमल तथा डेण ीजीं डपेीतं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।